संपादकीय

विराट की सेना

आईसीसी वर्ल्ड कप के लिए टीम चुनने में कोई चौंकाने वाला फैसला नहीं किया गया है। सस्पेंस एक-दो पोजिशन पर ही था। चौथे नंबर के लिए अंबाती रायुडू और विजय शंकर में मुकाबला था। चयनकर्ताओं ने विजय शंकर को चुना। इसी तरह दूसरे विकेटकीपर के लिए ऋषभ पंत का नाम उछल रहा था लेकिन चयनकर्ताओं ने अनुभवी दिनेश कार्तिक को उन पर तरजीह दी। वैकल्पिक ओपनर के रूप में केएल राहुल को चुना गया है जिन्हें चौथे नंबर पर भी आजमाया जा सकता है। इनका नाम भी पहले से संभावित था। बाकी सभी खिलाड़ी वही हैं जो पिछली दो-तीन सीरीज से लगातार खेल रहे हैं। थोड़ी कसर इस बात की जरूर दिख रही है कि टीम में कम से कम एक बल्लेबाज ऐसा होना चाहिए था जिसका टेंपरामेंट पूरे पचास ओवर खेलने का हो और जो एक छोर से आक्रामक बल्लेबाजों को निश्चिंत रखे। यह भूमिका फिलहाल कप्तान विराट कोहली खुद निभाते हैं और कभी-कभार धोनी को भी इस रोल में आना पड़ता है लेकिन इंग्लैंड की पिचें बल्लेबाजों का पूरा इम्तिहान लेती हैं और नॉकआउट मैचों में एक ऐंकर बल्लेबाज की कमी हमें खल सकती है। बहरहाल, सिलेक्टर्स का जोर ऑलराउंडरों पर रहा है। हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, केदार जाधव और विजय शंकर इस रोल में हैं। हार्दिक पिछले कुछ समय से जबर्दस्त फॉर्म में हैं और उनकी मौजूदगी में पांच गेंदबाजों वाले अटैक को खिलाना आसान हो जाता है। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी मुख्य पेसर हैं, साथ में भुवनेश्वर कुमार भी हैं। इधर कुछ समय से भारतीय तेज गेंदबाजों ने देश के बाहर अपना खौफ पैदा किया है। हमारे स्पिनरों पर शॉट खेलने में भी विदेशी बल्लेबाज डरते हैं। यह जिम्मेदारी कुलदीप यादव और यजुवेंद्र चहल निभाएंगे, साथ में रविंद्र जडेजा भी होंगे। कुछ अच्छे ओवर विजय शंकर और केदार जाधव भी डाल सकते हैं। ओपनिंग में शिखर धवन और रोहित शर्मा आईपीएल बीतने के साथ रंगत में आ रहे हैं। धोनी भी लगातार बेहतर खेल रहे हैं। उनकी मौजूदगी में विराट की कप्तानी कुछ और ही दिखने लगती है। वैकल्पिक विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत बल्ले से प्रभावित करते रहे हैं लेकिन विकेटकीपिंग में कार्तिक को उनसे बेहतर पाया गया और बतौर बल्लेबाज, उनका अनुभव भी उनके काम आया। कोई दो मत नहीं कि भारतीय टीम बेहद संतुलित है। भारत में ऑस्ट्रेलिया के साथ खेली गई सीरीज को छोड़ दें तो इसका प्रदर्शन पिछले कुछ समय से काफी अच्छा रहा है। वर्ल्ड कप 2015 से लेकर इस विश्व कप के बीच भारतीय टीम की जीत का औसत अभी तक का सर्वश्रेष्ठ है। वैसे टीम को अपनी चुनौतियों का ध्यान भी रखना होगा। ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम ने भारतीय स्पिन का तोड़ ढूंढ निकाला है। इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज की टीमें बीच में थोड़ी फीकी पड़ी थीं लेकिन कुछ नए खिलाड़ियों की आमद से उनके जलवे फिर पहले जैसे ही हो गए हैं। उम्मीद है, टीम इंडिया पूरे जोश और जज्बे के साथ विश्व कप पर अपना दावा जताएगी।

जीएसटी के नकारात्मक प्रभावों की चुनौती

जीएसटी लागू करने के लिए भाजपा और कांग्रेस पार्टियां एकमत रही हैं। इस व्यवस्था को कैसे लागू किया जाये, इस पर विवाद है। जीएसटी का आम आदमी के ऊपर दो प्रकार से प्रभाव पड़ता है। जीएसटी का सीधा प्रभाव यह होता है कि तमाम टैक्स की दरों को चुनिन्दा 3 या 4 टैक्स दरों में परिवर्तित कर दिया गया है। इससे व्यापार करना आसान हो गया है। सभी राज्यों में एक दर से जीएसटी लगने से राज्यों के बीच व्यापार सुलभ हो गया है। विचार यह था कि जीएसटी से व्यापार करना आसान हो जायेगा, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी और रोजगार उत्पन्न होंगे। यह जीएसटी का अप्रत्यक्ष सुप्रभाव हुआ।

दूसरी तरफ जीएसटी का आम आदमी पर सीधे नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अब तक हम टैक्स पॉलिसी को जन कल्याण के एक अस्त्र के रूप में देखते थे। आम आदमी द्वारा खपत की गयी वस्तुएं जैसे साइकिल एवं सस्ते जूतों पर टैक्स की दर कम लगाई जाती थी और अमीर द्वारा खपत की जा रही वस्तुओं जैसे एयर कंडीशनर और मर्सिडीज कार पर टैक्स की दर अधिक लगायी जाती थी। जीएसटी के अंतर्गत इन दरों को एकल दिशा में ले जाया जा रहा है। वर्तमान में 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की तीन दरें हैं लेकिन सरकार की मंशा है कि इन्हें भी एक ही दर पर ले जाये।

साइकिल पर यदि पूर्व में 5 प्रतिशत टैक्स था तो वह अब 18 प्रतिशत हो जायेगा और मर्सिडीज कार पर यदि 28 प्रतिशत टैक्स था तो वह भी 18 प्रतिशत हो जायेगा। इस प्रकार आम आदमी द्वारा खपत किये जाने वाले माल पर टैक्स की दरें आमतौर पर बढ़ी हैं। इस कारण जीएसटी का आम आदमी पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। न्यूजीलैंड सरकार द्वारा किये गये एक अध्ययन में कहा गया है कि भिन्न दरों से गरीबों पर टैक्स का भार कम होता है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर जेम्स मिर्लीस द्वारा किए गये एक अध्ययन में कहा गया है कि एकल दर से गरीब पर टैक्स का भार बढ़ता है। आस्ट्रेलिया के शेरिदन कॉलेज द्वारा बोस्तवाना के लिए किये गये एक अध्ययन में भी इस बात की पुष्टि की गई है। जीएसटी का एक और तरह से नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। राज्यों के बीच व्यापार करना आसान हो गया है। बड़ी कम्पनियों द्वारा इसका विशेषकर लाभ उठाया जा रहा है। इस कारण छोटे उद्योगों की परेशानी बढ़ी है। पहले राज्यों की सरहद के कारण उन्हें दूर स्थापित बड़ी कम्पनियों से एक प्राकृतिक संरक्षण मिलता था जो अब समाप्त हो गया है। इस कारण जीएसटी का छोटे उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। छोटे उद्योगों के मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2011-12 में हमारे देश की आय में छोटे उद्योगों का हिस्सा 29.6 प्रतिशत था जो कि 2016 में घट कर 28.8 प्रतिशत रह गया था। इन्हीं छोटे उद्योगों द्वारा अधिकतर रोजगार बनाये जाते हैं। छोटे उद्योगों के मंत्रालय के अनुसार छोटे उद्योगों द्वारा 11.2 करोड़ रोजगार बनाये गये हैं जबकि वित्त मंत्रालय के अनुसार बड़े निजी क्षेत्रों के उद्योगों में केवल 1.2 करोड़ रोजगार बनाये गये हैं। छोटे उद्योगों के दबाव में आने से कुल रोजगार का हनन हुआ है। जिससे आम आदमी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

जीएसटी के ये नकारात्मक प्रभाव पूरे विश्व में पाये गए हैं। आस्ट्रेलिया की विक्टोरिया यूनिवर्सिटी द्वारा किये गये अध्ययन में पाया गया कि छोटे उद्योगों द्वारा अपनी कुल आय का तीन प्रतिशत हिस्सा जीएसटी के अनुपालन में खर्च किया जा रहा है। उद्योगों को सामान्यतः बिक्री का 15 प्रतिशत लाभ होता है। इसमें 3 प्रतिशत की गिरावट आई है। आस्ट्रेलिया के 6 में से 5 छोटे उद्योगों को जीएसटी से नुकसान हुआ है। न्यूजीलैंड की विलिंग्टन यूनिवर्सिटी ने पाया कि बड़े उद्यमियों की तुलना में छोटे उद्यमी जीएसटी अधिक अदा

जेट को बचाने के लिए कर्जदाता प्रतिबद्ध : पीएनबी

नईदिल्ली। जेट एयरवेज जहां आपातकालीन निधि का इंतजार कर रही है, वहीं एयरलाइन के कर्जदाताओं ने मंगलवार को कहा कि वे इसके पुनरुद्धार को लेकर प्रतिबद्ध हैं। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी सुनील मेहता ने कहा कि अंतरिम वित्तपोषण मुहैया कराने के लिए चर्चा चल रही है।

उन्होंने कहा, कर्जदाता जेट एयरवेज को बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एसबीआई और एसबीआई कैपिटल एक पैकेज पर काम कर रही है, लेकिन इसे अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया

है। जेट एयरवेज कर्जदाताओं से 1,500 करोड़ रुपये के अंतरिम वित्त पोषण प्राप्त करने का इंतजार कर रही है। एयरलाइन के प्रबंधन ने सोमवार को बैंकों के साथ इस संबंध में चर्चा की थी, लेकिन उन्हें कोई आश्वासन नहीं मिला। इसके कारण एयरलाइन को अपना अंतर्राष्ट्रीय परिचालन का निलंबन और बढ़ाने को मजबूर होना पड़ा। एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कर्मचारियों को लिखा, अंतरिम निधि फिलहाल नहीं मिली है, जिसके कारण हमने अंतर्राष्ट्रीय परिचालन का निलंबन 19 अप्रैल तक के लिए बढ़ा

नरेश गोयल जेट एयरवेज की दौड़ से बाहर

नईदिल्ली। नरेश गोयल अब दुबारा शायद जेट एयरवेज से नहीं जुड़ पाएंगे क्योंकि संभावित निवेशकों ने उनकी प्रविष्टि पर आपत्ति जताई है। जानकार सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कहा जा रहा है कि अन्य बोलीदाताओं के विरोध के मद्देनजर गोयल ने जेट एयरवेज की बोली प्रक्रिया से अपना नाम वापस ले लिया है।उद्योग सूत्रों के मुताबिक अगर गोयल को संकटग्रस्ट एयरलाइन के लिए बोली लगाने की अनुमति दी जाती तो एतिहाद और टीजीपी कैपिटल बोली प्रक्रिया से नाम वापस ले सकती थीं। कर्जदाताओं द्वारा

आपत्ति जताने के बाद बोली वापस लेने से पहले गोयल एक बार फिर एयरलाइन की कमान अपने हाथ में लेने के लिए दो विदेशी निकायों के समर्थन से जेटएयर प्राइवेट लिमिटेड के जरिए बोली लगा रहे थे। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई वाले बैंकों का कंसोर्टियम फिलहाल एयरलाइन में अपनी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया में है, ताकि 8,400 करोड़ रुपये के कर्ज की वसूली की जा सके।

एसबीआई की मर्चेट बैंकिंग इकाई एसबीआई कैप वर्तमान में उन निवशकों को शार्टलिस्ट कर रही है, जो अप्रैल अंत तक अपना प्रस्ताव पेश कर सकेंगे। एसबीआई ने सोमवार को एक बयान में कहा था कि संभावित बोलीदाताओं को जल्द ही शार्टलिस्ट कर लिया जाएगा और एसबीआई कैप का कानूनी दल निवेशकों से प्राप्त ईओआई (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) पर

एप्पल और चलकॉम ने एक-दूसरे के खिलाफ दायर सभी मुकदमे खत्म किए

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल और अमेरिका की माइक्रोचिप बनाने वाली कंपनी चालकॉम ने कहा है कि वे दुनियाभर में एक-दूसरे के खिलाफ दायर सभी मुकदमों को खत्म करने को लेकर सहमत हो गए हैं। दोनों दिग्गज कंपनियों के बीच रॉयल्टी के भुगतान को लेकर लंबी कानूनी लड़ाई देखने को मिली है। कैलिफोर्निया में दोनों दिग्गज कंपनियों के मामले में सुनवाई से थोड़ा पहले यह सुलह हुई। पिछले दो साल से दोनों कंपनियों के बीच कई स्तरों पर कानूनी लड़ाई देखने को मिल रही थी। इस खबर के सामने आने के साथ ही वॉल स्ट्रीट में चालकॉम के शेयर 23 प्रतिशत तक चढ़ गए। पिछले 20 साल में एक दिन में उसका यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एफआईएच प्रो लीग से जुड़ेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

लुसाने। भारतीय पुरुष हॉकी टीम इस वर्ष जनवरी में हुई पहली एफआईएच प्रो लीग से हटने के बाद अगले साल फिर से इस लीग से जुड़ेगी। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने मंगलवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। एफआईएच ने लीग में भारत की वापसी का समर्थन करते हुए कहा कि उनके इस कदम का लीग में हिस्सा लेने वाले अन्य देशों ने समर्थन किया है।

एफआईएच ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा गया, भारतीय पुरुष टीम 2020 से एफआईएच प्रो लीग से जुड़ेगी, जिसका इसमें भाग लेने वाली अन्य टीमों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया है।

एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थिएरी वील ने कहा, यह शानदार है कि भारत अगले साल एफआईएच प्रो लीग से जुड़ेगा। देश में हॉकी को लेकर काफी जुनून है और इससे हमारी सबसे नई प्रतियोगिता को फायदा होगा। हॉकी इंडिया ने जुलाई 2017 में पुरुष और महिला दोनों राष्ट्रीय टीमों को प्रतियोगिता से हटाने का फैसला किया था। कार्यकारी बोर्ड ने साथ ही वर्ष 2020 और 2021 एफआईएच प्रो लीग के मैचों को भी सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी।

इस विकेट पर 182 का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था : रहाणे

मोहाली। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 12वें संस्करण में मिली हार के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि इस विकेट पर 182 रनों का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था।

पंजाब ने राजस्थान को अपने घर आई.एस. बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए मैच में 12 रनों से मात दी। टीम को राहुल त्रिपाठी और जोस बटलर ने शानदार शुरुआत दी लेकिन फिर टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी और अंत के ओवरों में तेजी से रन नहीं बना पाई। मैच के बाद रहाणे ज्यादा आलोचनात्मक नहीं दिखे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ दो-तीन बड़े शॉट की बात थी।

रहाणे ने कहा, इस विकेट पर 182 रनों का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। हमने अच्छी शुरुआत की। यह सिर्फ दो छक्कों की बात थी। इस तरह के मैचों में आप ज्यादा किसी की आलोचना नहीं कर सकते। हमारे गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने कहा, इस तरह के लक्ष्य का पीछा करते हुए आप जल्दी-जल्दी विकेट नहीं खो सकते।

फुटबाल : बार्सिलोना चैम्पियंस लीग के सेमीफाइनल में

बार्सिलोना। स्पेन के फुटबाल क्लब बार्सिलोना ने चार साल बाद चैम्पियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

बार्सिलोना ने मैनचेस्टर युनाइटेड को 4-0 के एग्रीगेट स्कोर से मात दे अंतिम-4 में जगह बनाई। मंगलवार को हुए दूसरे चरण के मैच में बार्सिलोना ने युनाइटेड को 3-0 से मात दी जिसमें लियोनेल मेसी ने दो गोल किए। मैच के पहले चरण में बार्सिलोना ने युनाइटेड को 1-0 से हराया था। मेसी ने 16वें मिनट में एशले यंग के गलत पास को लिया और अपनी टीम के लिए गोल किया। चार मिनट बाद मेसी ने बॉक्स के बाहर से एक और शानदार शॉट मार बार्सिलोना को 2-0 से आगे कर दिया। स्पेनिश क्लब ने तीसरा गोल दूसरे हाफ में किया। यहां फिलिप कोटिंहो ने अपना खाता खोला। सेमीफाइनल में बार्सिलोना का सामना पोटरे या ि ल व र प ू ल

आज का राशिफल

मेषः आज कारोबार सामान्य रहेगा। मनोरंजन के कार्यों पर खर्च करने का योग है। नई योजनाओं पर अमल करने का यही बेहतर समय है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभः आज कोई नया कार्य न करें। किसी भी व्यवसाय में निवेश करने से बचें। वाद-विवाद हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुनः इस राशि के जातकों के परा म में वृद्धि होगी। आज आपका मनोबल बढ़ेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नए संपर्कों से लाभ मिलेगा।

कर्कः लेन-देन के कार्यों में सावधान रहें, धन निवेश करते समय विशेष सावधानी बरतें, आज किसी को उधार देने से पहले सोच-विचार लें।

सिंहः आज आपके प्रयास फलीभूत होंगे। प्रत्येक कार्य में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के अवसर सामने आएंगे।

कन्याः खर्च की अधिकता रहेगी, किसी न किसी कारण से अनावश्यक खर्च का योग है। व्यर्थ की यात्रा करनी पड़ सकती है।

तुलाः आज आपकी आमदनी में वृद्धि होगी। धन लाभ होगा। जोखिमपूर्ण कार्यों में भी निवेश का लाभ होगा।

वृश्चिकः आज आपका सितारा अनुकूल है, लाभ होगा। कामकाज में आ रही बाधाएं दूर होंगी सफलता के प्रबल योग हैं।

धनुः आज आपकी धार्मिक प्रवृत्ति बढ़ेगी, समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आज आपके विरोधी परास्त होंगे। यात्रा लाभकारी रहेगी।

मकरः आज परिश्रम अधिक और लाभ कम रहेगा, कार्यों में बाधाएं आने के योग बन रहे हैं। यात्रा करने से पहले सोच-समझ लें। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं।

कुंभः आज कोई नया रोजगार शुरू करने का विचार कर रहे हैं तो शुरू कर दें, सफलता अवश्य मिलेगी। अविवाहितों के विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

मीनः आज संघर्ष के बाद सफलता अवश्य मिलेगी। कोई नया ऑर्डर या फिर कॉन्ट्रेक्ट मिलने की सम्भावना है। शत्रु परास्त होंगे।

पोटली कबाब रेसिपी

सामग्री :

2 बोनलेस चिकन ब्रेस्ट, नमक और काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार, 20 मिलीलीटर नींबू का रस, 20 ग्राम कसा हुआ चीज़, 60 ग्राम चिकन कीमा, 10 ग्राम धनिया, 20 ग्राम बारीक कटे ड्राईफ्रूट्स, 5 ग्राम बारीक कटी हुई अदरक, 50 ग्राम हंग कर्ड, 10 ग्राम काजू का पेस्ट, 30 मिली क्रीम, 1 अंडा, थोड़ा सा चाट मसाला, 10 मिली तेल।

विधि :

चिकेन ब्रेस्ट के पीस को फ्लैट चाकू से सीधा करें। इसे अब नमक, काली मिर्च पाउडर और नींबू का रस डालकर आधा घंटे के लिए मैरिनेट होने रखें। सॉसपैन में तेल डालकर चिकेन कीमा को पकाएं। अब इसमें धनिया, चीज़, ड्राईफ्रूट्स और काली मिर्च एक साथ मिलाएं। स्टफिंग के लिए ठंडा करें। चिकेन ब्रेस्ट के बीच में स्टफिंग भरें और इसे रोल करें। टूथपिक से इसे बंद कर दें। एक बड़े बोल में दही, काजू का पेस्ट, क्रीम, अंडा, नमक और क्रीम डालकर मिलाएं। इसमें पोटली कबाब रखें। इसे अच्छी तरह मिलाएं। एक घंटे के लिए फ्रिज में रखें। एयर फ्रायर की बास्केट में ऑयल लगाएं। इसमें कबाब रखें और ऑयल का स्प्रे करें। अब इसे 180 डिग्री सेल्सियस पर 18 मिनट के लिए फ्राई करें। पुदीने की चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-37

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

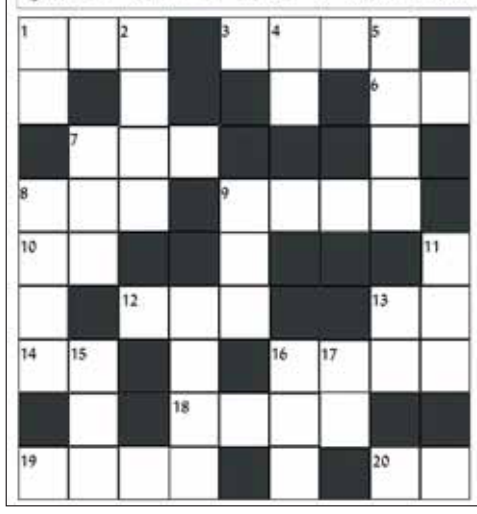

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 36 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				व	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

सू-दोकू-37

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.36 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1